

## सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

## सत्संग प्रवेश - २

रविवार, ६ मार्च, २०११

समय : दोपहर २.०० से ४.१५

कुल गुण : ७५



अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत किजिए ।

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन      दिनांक      महिना      वर्ष  
            

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरीक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर .....

☞ पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर ( गुण )	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (५)	
	६ (८)	

विभाग-१, कुल गुण

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर ( गुण )	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (६)	
	९ (५)	
	१० (५)	
	११ (६)	
	१२ (६)	

विभाग-२, कुल गुण

मोडरेशन विभाग भाटे ४

गुण शब्दोंमें .....  
चेकर - नाम

## परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. आगे के मुख्य पृष्ठ पर परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ बारकोड अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत किजिए ।
२. परीक्षार्थी को स्पष्ट और सुंदर अक्षर से आगे के पन्ने में मांगी हुई विवरण को लिखना अनिवार्य है ।
३. आप उत्तर पुस्तिका (जवाबवही) में कही भी, किसी भी जगह पर अपना नाम मत लिखें ।
४. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरीक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।
५. बिना वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।
६. प्रश्न के गुण → गुण : १  ← परीक्षक को प्रश्न जाँचकर गुण लिखने की जगह
७. परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखी गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।
८. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।
९. परीक्षा खंड के बाहर और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।
१०. परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'सबस्टीट्यूट राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद्द गीनी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद्द मानी जाएगी ।
११. मुख्य परीक्षा के दिन उत्तरवही के इलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे ।

## ***Important Instructions For Satsang Exam Students***

1. **Please do not damage in any way the bar code printed on the front page.**
2. Please write clearly and legibly.
3. Do not write your name on the answer book.
4. On the day of the Final Satsang Examinations, all examinees should obtain the signature of the class supervisor on the answer sheet bearing their own personal details only.
5. Answer books without the signature of the Class Supervisor will be considered **NOT VALID.**
6. Marks for Question → 1 Mark  ← Space for Examiner to write marks
7. **Write your answers with either a blue or black pen only. Answers written in pencil, or with a red, green or any other coloured pen will not be considered valid. Answers written in more than one coloured ink will not be considered valid.**
8. Follow the instructions while answering. Answers crossed out will not be considered valid.
9. Examinations taken at **unauthorized locations** or in which the exam rules have been violated will not be considered valid.
10. **Without the prior permission of the Pariksha Karyalay in Ahmedabad, answer papers written by substitute writers in place of the original candidate will not be accepted. Answer papers with more than one type of handwriting will not be accepted.**
11. **In Main Exam answers written on extra pages will not be considered valid.**

**विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवेश**

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । ( कुल गुण : ९ )

१. "हमारे प्रभु पधारे हैं तो उनके लिये 'थाल' भोजन की व्यवस्था करना ।"

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

गुण : ३	
---------	--

२. "तुम्हारे यहाँ सप्तधान्य-सातों अनाज पकेंगे ।"

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

गुण : ३	
---------	--

३. "इसमें तो जानका खतरा है ।"

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

गुण : ३	
---------	--

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक 

--

 केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) ( कुल गुण : ६ )

१. झमकूबा ने राज्य का वैभव छोड़ने का निर्णय कर लिया ।

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : २	
---------	--

२. श्रीजीमहाराज ने गोपीनाथ महाराज की जयघोषणा करवाई ।

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : २	
---------	--

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-२	
----------------------------------	-------------	--

३. भाईस्वामी को श्रीजीमहाराज अपने धाम में नहीं ले जाते थे ।

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : २	
---------	--

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ३ 'सगराम' - प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । ( वर्णनात्मक ) ( कुल गुण : ५ )

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । ( कुल गुण : ५ )

१. शिक्षापत्री के नित्यपाठ करने की आज्ञा किस वचनामृत में की गई है ?

गुण : १

२. शास्त्रीजी महाराज ने किन पाँच निर्जल उपवास करने का आदेश दिया है ?

गुण : १

३. दाजीभाई को सब लोग क्या कहकर बुलाते थे ?

गुण : १

४. चिट्ठी को पढ़कर प्रभाशंकर ने क्या निर्णय लिया ?

गुण : १

५. श्रीजीमहाराज ने लाधीबाई की क्या परीक्षा की ?

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ५ 'एक व्यक्ति ने लाख .....' - 'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण कीजिए । ( कुल गुण : ५ )

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ६ निम्नलिखित कीर्तन/अष्टक/श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । ( कुल गुण : ८ )

१. जीव अनन्तना .....

..... देह धरी । गुण : २

२. मान तजी .....

..... मन दीजे । गुण : २

३. अयं निज: .....

..... कुटुम्बकम् । गुण : २

४. प्रसंगमजरं ..... - श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।

..... गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

**विभाग - २ : शास्त्रीजी महाराज**

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । ( कुल गुण : ९ )

१. “जिस कार्य को पूरा करने के लिये श्रीजीमहाराज को इस धरती पर पुनः अवतार लेना पड़ता, वही कार्य आपने किया है ।”

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....  
.....

गुण : ३	
---------	--

२. “मैं किसी पर कोई आरोप नहीं लगाना चाहता ।”

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....  
.....

गुण : ३	
---------	--

३. “इस कलियुग में ऐसे सन्त कहाँ हैं ?”

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....  
.....

गुण : ३	
---------	--

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । ( दो से तीन पंक्ति में ) ( कुल गुण : ६ )

१. करमसद में छः साल के डुंगर को देखकर सब अचरज में पड़ गये ।

.....  
.....

.....  
.....

गुण : २	
---------	--

२. स्वामीश्री ने वड़ताल का दरवाजा छोड़ने को मना कर दी ।

.....  
.....

.....  
.....

गुण : २	
---------	--

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-८		प्र-९	
----------------------------------	-------------	--	-------	--

३. स्वामीश्री झोला मागने का आग्रह रखते ।

.....

.....

.....

.....

गुण : २	
---------	--

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक	३		केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें
--------------------------------	---	--	---

प्र. ९ 'गुणातीत के लिये तो माथा मुँड़वाया है' - प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । ( वर्णनात्मक )  
( कुल गुण : ५ )

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक	३		केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें
--------------------------------	---	--	---



प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. शास्त्रीजी महाराज ने किस की अन्तिम सेवा करने का लाभ लिया ?

गुण : १

२. गोरधनभाई कोठारी शास्त्रीजी महाराज की साधुता के बारे में क्या कहते ?

गुण : १

३. शास्त्रीजी महाराज कहाँ और कब धाम में बिराजमान हुए ?

गुण : १

४. शास्त्रीजी महाराज ने किन पाँच मन्दिर बनवाये ?

गुण : १

५. हरिलाल सेठ ने प्रथम पूजा किस की करने का उचित समजा ?

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें ।  
(कुल गुण : ६)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. डुंगर भक्त सच्चे ब्रह्मवेत्ता विद्वान गुरु की खोज में ।

गुण : २

(१)  सं. १९३९ में विज्ञानानन्द स्वामी का योग हुआ ।

(२)  सन्तों के संग से दूर रहना उनके लिये कठिन था ।

(३)  पूर्णिमा पर वड़ताल जाते थे ।

(४)  साधुसन्तों के साथ कथावार्ता किया करते थे ।

२. डुंगर भक्त को दीक्षा

गुण : २

(१)  भगवत्प्रसादजी महाराज ने डुंगर भक्त को दीक्षा दी ।

(२)  बड़े यज्ञ का शुभारम्भ किया ।

(३)  दीक्षा देकर यज्ञपुरुषदास नाम दिया ।

(४)  सं. १९३९ कार्तिक शुक्ल पंचमी के दिन दीक्षा दी ।

३. शुद्ध उपासना का सर्वप्रथम विजयघोष

गुण : २

(१)  अक्षरपुरुषोत्तम की प्रतिष्ठा बन्द रखवाने के लिये वासुदेवप्रसादजी पर दबाव डाला ।

(२)  अक्षरपुरुषोत्तम पर निष्ठा रखनेवाले हरिभक्तों ने स्वामीश्री को उनकी की हुई शर्त याद दिलाई ।

(३)  मगनभाई ने स्वामीश्री को तार दिया ।

(४)  प्रथम खण्ड में अक्षरपुरुषोत्तम की मूर्तियों की प्रतिष्ठा की गई ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । ( कुल गुण : ६ )

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

१. निर्भयता : किसी समय उनकी माताजी उनको खाना खिलाकर कुएँ में चली गई । कुछ देर के बाद डुंगरभक्त खेलकर आये तो देखा कि माताजी नहीं हैं । सुबह का समय था ।

उ. ....  
.....  
.....

गुण : १

२. अक्षरधाम का द्वार : कुछ द्वेषी मन में सोचते रहते कि इतना बड़ा सिंहासन बड़ी कठिनाई से पूरा हुआ, अब उसका इतना बड़ा शिखर बनाने की क्या आवश्यकता है ?

उ. ....  
.....  
.....

गुण : १

३. गुरुशिष्य का प्रेमप्रवाह : ज्ञानजीवनदासजी जूनागढ़ मन्दिर में दंडवत् कर रहे थे तो किसीने उनके शरीर में सूया भोंक दिया । किसीने लोटा मारा, तुरन्त वो बाहर दौड़ गये ।

उ. ....  
.....  
.....

गुण : १

४. अड़सठ तीर्थ : सबके जागने के बाद वे आंगन का दरवाजा खुला करके माला फेरने लगे । बराबर एक घण्टे के बाद आंगन का दरवाजा अपने आप बंद हो गया ।

उ. ....  
.....  
.....

गुण : १

५. अजातशत्रु : राधा वाव के रास्ते पर गाँव के पुलिस पटेल कुबेरभाई ने सुना कि योगीजी महाराज को गढ़डा छोड़ना पड़ रहा है, तो वे दौड़ते भागते लक्ष्मीवाड़ी की ओर गये ।

उ. ....  
.....  
.....

गुण : १

६. ठटकीला बिच्छू : वहाँ पुरानी मुनिश्वरानन्द को न जाने क्यों, शास्त्रीजी के प्रति कुछ अनादर सा था, बातचीत के द्वारा शास्त्रीजी की महिमा बताकर मुनिश्वरानन्द के हृदय में उनके प्रति सद्भाव पैदा किया । आचार्य को जब इस बात का समाचार मिला तो वे बोले कि यज्ञपुरुषदास को वहाँ किसने भेजा ?

उ. ....  
.....  
.....

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक  केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें